भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण

हिन्दी पखवाड़ा–2020

मुख्यालय, नौएडा में विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

प्राधिकरण के मुख्यालय में **दिनांक 14.09.2020 से 28.09.2020** तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिनांक 14.09.2020 को डेस्क टु डेस्क जाकर कार्मिकों को हिन्दी में अधिक–से–अधिक काम करने के लिए प्रेरित किया गया। हिन्दी अनुभाग द्वारा सभी अनुभागों में जाकर नाम पट्टिकाएं, मुहरें और स्टेशनरी आदि को द्विभाषी रूप में रखने के दृष्टिगत इनका निरीक्षण किया गया।

दिनांक 14.09.2019 को **हिन्दी निबंध लेखन** प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें निबंध का विषय–**'क्या सह–शिक्षा भारतीय समाज से लिंग भेद व जातिभेद के उन्मूलन में सहायक है?'** अथवा **'हिन्दी : भारतीय संस्कृति की आत्मा'** अथवा **'कोविड–19 के साथ जीवन–शैली'** था। इस संबंध में यह उल्लेखनीय है कि प्राधिकरण हिन्दी भाषियों के साथ–साथ हिन्दीतर भाषियों के लिए अलग से हिन्दी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन करता है। इस प्रतियोगिता में कुल 17 (14 हिन्दी भाषी तथा 3 हिन्दीतर भाषी) कार्मिकों ने भाग लिया।

साथ ही, दिनांक 21.09.2020 को **हिन्दी काव्य पाठ** एवं दिनांक 28.09.2020 को **हिन्दी कहानी पाठ** प्रतियोगिताओं का भी ऑनलाइन आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में क्रमशः 6 एवं 18 कार्मिकों ने भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में प्राधिकरण के नियमित कार्मिकों के साथ–साथ संविदा पर कार्यरत कार्मिकों ने भी भाग लिया तथा सभी विजयी प्रतिभागियों को निम्नानुसार नकद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया :–

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण
(पोत परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार)
मुख्यालय : ए–13, सैक्टर–1, नौएडा–201 301, (उ० प्र०)
INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA
(Ministry of Shipping, Govt. of India)
Head Office : A-13, Sector-1, Noida-201 301 (U.P.)
Website : www.iwai.gov.in | www.iwai.nic.in
Tel. : +91-120-2544036, 2543972, 2527667, 2448101 Fax : +91-120-2544009, 2544041, 2543973, 2521764

सं.–भा.अ.ज.प्रा.–20 / 11 / 2020–हिन्दी

दिनांक 16.10.2020
21

कार्यालय ज्ञापन

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के मुख्यालय में **दिनांक 14.09.2020 से 28.09.2020** तक मनाए गए **हिन्दी पखवाड़ा** के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के परिणाम निम्नानुसार हैं :–

I. हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता (हिन्दी भाषी)– 14.09.2020 :

क्र. सं.	नाम एवं पदनाम	पुरस्कार	राशि
1.	श्री शिवम विश्वकर्मा, डाटा इंट्री ऑपरेटर	प्रथम	3000 / –
2.	श्री सोनू सिंघल, कनिष्ठ जलीय सर्वेक्षक	द्वितीय	2500 / –
3.	श्री आजाद अंसारी, डाटा इंट्री ऑपरेटर	तृतीय	1500 / –
4.	श्री बृजपाल, डाटा इंट्री ऑपरेटर	प्रोत्साहन	1000 / –

हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता (हिन्दीतर भाषी) :

क्र. सं.	नाम एवं पदनाम	पुरस्कार	राशि
1.	श्रीमती तृष्णा ब्रह्मा, उ.श्रे.लि.	प्रथम	3000 / –
2.	श्री डी. राजेन्द्र, अनुचर	द्वितीय	2500 / –
3.	श्रीमती सरस्वती के., अनुभाग अधिकारी	तृतीय	1500 / –

II.हिन्दी काव्य पाठ प्रतियोगिता– 21.09.2020 :

क्र. सं.	नाम एवं पदनाम	पुरस्कार	राशि
1.	श्रीमती नीलम सतीजा, निजी सहायक	प्रथम	3000 / –
2.	श्रीमती गिरजा बकाया, उ.श्रे.लि.	द्वितीय	2500 / –
3.	श्री महेश चन्द्र शर्मा, सहायक	तृतीय	1500 / –
4.	सुश्री काजल, डाटा इंट्री ऑपरेटर	प्रोत्साहन	1000 / –

III. हिन्दी कहानी पाठ प्रतियोगिता– 28.09.2020 :

क्र. सं.	नाम एवं पदनाम	पुरस्कार	राशि
1.	श्रीमती ज्योति, उ.श्रे.लि.	प्रथम	3000 / –
2.	श्री प्रदीप कुमार सक्सेना, अनुभाग अधिकारी	द्वितीय	2500 / –
3.	श्री जे. पी. सिंह, उ.श्रे.लि.	तृतीय	1500 / –
4.	श्री आजाद अंसारी, डाटा इंट्री ऑपरेटर	प्रोत्साहन	1000 / –

कृ.पृ.उ.

यह व्यय भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के वित्तीय वर्ष 2020–21 'राजभाषा प्रोन्नयन' शीर्ष के नामे डाला जाएगा।

यह कार्यालय ज्ञापन सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है।

21/10/2020

(अरविन्द कुमार)
हिन्दी अधिकारी

प्रति,

सभी सम्बंधित विजयी प्रतिभागी, भा.अ.ज.प्रा., नौएडा।

प्रतिलिपि :

1. अध्यक्ष महोदया, भा.अ.ज.प्रा., नौएडा के प्रधान निजी सचिव
2. उपाध्यक्ष, भा.अ.ज.प्रा., नौएडा की निजी सचिव
3. सदस्य (तकनीकी), भा.अ.ज.प्रा., नौएडा की निजी सहायक
4. सदस्य (यातायात एवं प्रचालन), नौएडा के निजी सहायक
5. सदस्य (वित्त), भा.अ.ज.प्रा., नौएडा की निजी सहायक
6. सचिव, भा.अ.ज.प्रा., नौएडा के निजी सहायक
7. निदेशक (वित्त एवं लेखा), भा.अ.ज.प्रा., नौएडा
8. सहायक निदेशक (राजभाषा), पोत परिवहन मंत्रालय, परिवहन भवन, नई दिल्ली
9. कार्यालय प्रति
10. नोटिस बोर्ड
11. मास्टर प्रति

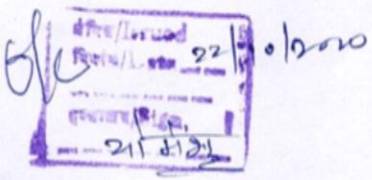

साथ ही, सितंबर, 2020 माह में **दिनांक 11.09.2020** को ऑनलाइन **हिन्दी कार्यशाला** का आयोजन कर प्राधिकरण के कार्मिकों को डॉ. विचार दास, पूर्व निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो द्वारा राजभाषा की जानकारी एवं हिन्दी शब्दों/वाक्यांशों के प्रयोग विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत कर कार्मिकों को लाभांवित किया।

हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता के प्रथम पुरस्कार विजेता (हिन्दी भाषी)

मुख्यालय में आयोजित हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता के **प्रथम पुरस्कार (हिन्दी भाषी)** हेतु चयनित **श्री शिवम विश्वकर्मा, डाटा इंट्री ऑपरेटर (आउटसोर्स)** द्वारा लिखे गए निबंध :

कोविड – 19 के साथ जीवन शैली

श्री शिवम विश्वकर्मा
डाटा इंट्री ऑपरेटर

कमाल की बात है ना कि, साल की शुरुआत इतनी अच्छी होने के बाद किसने सोचा था कि संसार टिड्डीयों का हमला, भूकम्प, चक्रवात आदि इन सब से गुजरा, लेकिन जिसने पूरे संसार की रीढ़ की हड्डी तोड़ दी, कोरोना वायरस इस सब में से एक था।

कोरोना वायरस जिसे SARS-COV-2019 के नाम से जाना गया, इसकी शुरुआत चीन के वुहान शहर से हुई।

इस कोरोना ने पूरे विश्व को तहस–नहस कर दिया, फिर चाहे वह सामाजिक रुप से हो या आर्थिक रुप से हो, कोई भी कोरोना से अछूता नहीं रहा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे महामारी घोषित कर दिया। जिसके बाद विश्व में लॉकडाउन जैसी कदम वहाँ की सरकार को उठानी पड़ी।

कोरोना से पहले और बाद, लोगों में और उनकी जीवन शैली में बहुत बदलाव आए। आइए जरा बात करते हैं कि लोगों की जीवन शैली में क्या–क्या बदलाव आए।

1. **लोगों ने नमस्ते को अपनाया :** इस महामारी से पहले जब लोग किसी से मिलते थे तो या तो वे हाथ मिलाते थे या गले मिलते थे। परन्तु पूरे विश्व ने भारत को देखा कि भारतीय, अपनी भारतीय संस्कृति को अपनाते हैं और हाथ या गले न मिलकर नमस्ते करते हैं। पूरे विश्व ने भारत के इस नमस्ते को अपनाया। यहाँ तक की सभी सोशल मीडिया पर #Don'tsharehands और #नमस्ते ट्रेण्ड होने लगा। पूरे विश्व में भारत की सराहना हुई। अब पूरे विश्व में नमस्ते को अपनाया जा रहा है।

2. **सामाजिक दूरी का पालन :** Covid-19 जो कि एक ऐसी बीमारी है, जो छूने या किसी से मिलने से फैलती है, डर से लोग सामाजिक दूरी का पालन करने लगे। भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने भी 'सामाजिक दूरी' शब्द पर राष्ट्र को सम्बोधित किया। अब लोग हर किसी से 2 गज की दूरी और चेहरे पर मास्क लगाने का पालन करते हैं। लोगों ने सामाजिक दूरी के साथ–साथ Quarantine को भी अपनाया।

3. **वर्क फ्रॉम होम पर जोर :** चूँकि यह बीमारी ऐसी है कि लोग न तो किसी से मिल सकते हैं और ना ही कार्यालय में एक साथ कार्य कर सकते हैं। इसी समस्या को मद्देनजर रखते हुए, कई सरकारी कार्यालयों और निजी कार्यालयों में वर्क फ्रॉम होम जैसी सुविधा को अपनाया। कार्यालय ही नहीं बल्कि सभी स्कूलों ने तो घर पर रहकर ही बच्चों को ऑनलाईन शिक्षा देनी प्रारम्भ की। गूगल और फेसबुक ने अपने सभी कर्मचारियों को घर से ही कार्य करने की सलाह दी। अब सभी वर्क फ्रॉम होम जैसी सुविधा को अपना रहे हैं।

4. **साफ – सफाई पर ध्यान :** साफ–सफाई पर तो पहले भी ध्यान रखा जा रहा था लेकिन कोरोना काल में साफ – सफाई पर इतना ध्यान दिया जाने लगा कि लोग अपने घर, दफ्तर, शरीर को सेनेटाइज करने लगे। चूँकि कोरोना को आँखों से इसे नहीं देख सकते इसलिए साफ–सफाई करना लाज़मी है। अच्छा यही होगा कि पूरा विश्व चाहे कोरोना हो या ना हो हमेशा साफ–सफाई पर ध्यान दें।

5. **प्रकृति में बदलाव :** कोरोना के समय में हमें प्रकृति में भी बदलाव देखने को मिला। कोरोना से पहले भारत के कुछ शहर इतने प्रदूषित थे कि साँस लेना भी मुश्किल था। लॉकडाउन के समय मानो जब समय रुक सा गया था, तब प्रकृति ने ऐसी करवट ली की कई शहर जो सालों से प्रदूषित थे, वहाँ लोग स्वच्छ, साफ एवं अप्रदूषित हवा की साँस ली। यह बदलाव लोगों की जीवन शैली में एक अच्छा बदलाव था।

6. **धूम्रमान और नशे जैसी चीजें कम हुई :** कोरोना एक ऐसी बीमारी है जिससे गला व नाक का संक्रमण, स्वाद न आना, बुखार एवं सर दर्द होने लगता है। यह बीमारी फेफड़ों पर भी प्रभाव डालती है। जो लोग नशा या धूम्रमान करते हैं, उनको इन सबसे दूर रहने की सलाह दी गई, जिसके बाद यह देखा गया कि लोगों ने काफी हद तक नशा व धूम्रमान का त्याग किया है।

7. **लोगों ने लिया तरह–तरह के पकवान का आनन्द :** लॉकडाउन के समय जब सब लोग अपने–अपने घर में कैद थे तब लोगों ने अपने घर में तरह–तरह के व्यंजन बनाकर आनंद लिया। यहाँ तक कि जिन लोगों को खाना बनाना नहीं आता था वे भी खाना बनाने में 'शेफ' हो गए।

8. **टीवी पर पुराने प्रसारण देखने का अवसर :** लॉकडाउन के दौरान जब लोग घर में थे तब हमारे केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री 'जावेडकर जी' ने टीवी पर पुराने प्रसारण जैसे शक्तिमान, रामायण, महाभारत आदि दिखाने का अवसर पुनः प्रदान किया। अच्छी बात यह रही कि आज के युवा जो इन प्रसारणों को देखने से अछूते थे उन्हें यह अवसर प्राप्त हुआ। इन प्रसारणों की मदद से आाज के युवाओं को हमारी भारतीय संस्कृति का ज्ञान हुआ।

अंतिम पंक्तियों के साथ मैं यह कहना चाहता हूँ कि यह कोरोना वायरस इतना भी बुरा नहीं क्योंकि अगर इसके प्रभाव से स्वास्थय और आर्थिक मामलों में हानि देखने को मिली तो प्रदूषण के मामले में लाभ भी देखा गया।

आशा है कि जल्द ही कोरोना वायरस की वैकसीन जो अंतिम चरण में है 2020 के अंतिम तक पूरे विश्व को प्राप्त होगी और पूरा विश्व कोरोना मुक्त होगा।

– शिवम विश्वकर्मा
डाटा इंट्री ऑपरेटर
भाअजप्रा, नौएडा

हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता के प्रथम पुरस्कार विजेता (हिन्दीतर भाषी)

मुख्यालय में आयोजित **हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता** के **प्रथम पुरस्कार (हिन्दीतर भाषी) हेतु चयनित श्रीमती तृष्णा ब्रह्मा, उच्च श्रेणी लिपिक** द्वारा लिखे गए निबंध :

कोविड – 19 के साथ जीवन शैली

श्रीमती तृष्णा ब्रह्मा
उच्च श्रेणी लिपिक

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना वायरस को महामारी घोषित कर दिया है। कोरोना वायरस बहुत खतरनाक वायरस है। इस तरह का वायरस दुनिया में 100 सालों में एक बार आता है। सबसे पहले यह वायरस चाइना के वुहान सिटि में आया था। बाद में धीरे–धीरे सारी दुनिया में फैल गया और लोग इस बीमारी से मरने लगे। यह बीमारी भारत में भी फैलने लगी।

यह बीमारी कैसे फैली है इसके बारे में अभी भी सही जानकारी नहीं मिली है। लेकिन सब लोग मानते हैं कि ये प्राकृतिक नुकसान और प्रकृति के साथ प्यार न होने की वजह से हुआ है। कोई तो बोलता है कि वुहान सिटि में जानवर खाने से हुआ है।

COVID-19 की वजह से लोगों को सारी दुनिया में बहुत परेशान होना पड़ा। सरकार को लॉकडाउन करना पड़ा जिसके कारण लोग बहुत सारी जगहों पर फंस गए। कई लोगों की जान भी गई। कोरोना वायरस मानव की बाल की तुलना में 900 गुना छोटा है। लेकिन कोरोना का संक्रमण दुनिया भर में तेजी से फैल रहा है।

कोरोना वायरस का संबंध वायरस के ऐसे परिवार से है जिसके संक्रमण से जुकाम से लेकर सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्या हो सकती है। इस वायरस को पहले कभी नहीं देखा गया। इस वायरस का संक्रमण दिसंबर में चीन के वुहान में शुरु हुआ था। WHO के मुताबिक बुखार, सांस लेने में तकलीफ इसके लक्षण हैं। अब तक इस वायरस को फैलने से रोकने वाला कोई टीका नहीं बना है। इसके संक्रमण के फलस्वरुप बुखार, जुकाम, सांस लेने में तकलीफ, नाक बहना और गले में खरास जैसी समस्या उत्पन्न होती है। यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। इसलिए इसे लेकर बहुत सावधानी बरती जा रही है। सावधानी बरतते रहना है नहीं तो इस वायरस से बहुत खतरा है। सरकार ने लोगों को सावधान रहने के लिए बहुत गाइडलाइन जारी की हैं। इस बीमारी का अभी तक कोई मेडिसीन नहीं निकला है। इसलिए खुद से ही सावधान रहना होगा। लोगों को खुद की जान खुद बचानी पड़ेगी। जैसे जरुरी नहीं होने पर बाहर नहीं जाना, मुंह में मास्क पहनना, भीड़–भाड़ वाली जगहों में नहीं जाना, हाथ को बार–बार धोना, बाहर जाते समय लोगों से दूर रहना, बाहर की चीजों को ना छूना।

इस कोविड – 19 के समय में लोगों का जीवन रुक सा गया है। घर के अन्दर रहने में लोगों को बहुत मुश्किल हो रही है। बहुत लोगों की नौकरी भी चली गई है। जिसकी वजह से लोग गरीब हो गए हैं। जो लोग नौकरी के लिए बाहर आए थे वह लोग नौकरी जाने की वजह से घर लौट गए और जीवन को चलाने में, घर चलाने में मुश्किल हो गई है। कोविड–19 अब तक 70 से ज्यादा देशों में फैल चुका है। कोरोना के संक्रमण के बढ़ते खतरे को देखते हुए सावधानी बरतने की जरूरत है ताकि इसे फैलने से रोका जा सके।

1. बाहर से आने के बाद अपने हाथों को साबुन से करीब–करीब 20 – 30 सेकेण्ड तक धोना है।
2. अपने हाथों को अपने मुख से दूर ही रखें। जिससे की संक्रमण होने पर भी आपके अंदर न जा पाए।
3. सबसे 2 या 3 गज दूर रहना है।

– तृष्णा ब्रह्मा
उच्च श्रेणी लिपिक,
भाअजप्रा, नौएडा

प्राधिकरण के क्षेत्रीय/उप कार्यालयों में हिन्दी पखवाड़ा–2020 के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

प्राधिकरण के क्षेत्रीय एवं उप कार्यालयों में भी **हिन्दी पखवाड़ा** मनाए जाने का निदेश दिया गया था। इसके अनुसरण में सभी क्षेत्रीय एवं उप कार्यालयों यथा– कोलकाता, गुवाहाटी, कोची, पटना, इलाहाबाद, वाराणसी, साहिबगंज, फरक्का, विजयवाड़ा, भुवनेश्वर, आदि में हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया, जिसके तहत इन कार्यालयों में भी हिन्दी के प्रचार–प्रसार के लिए बैनर/पोस्टर, आदि लगाए गए और विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इससे प्राधिकरण के सभी कार्यालयों में हिन्दी के प्रति प्रेम, निष्ठा और हिन्दी में कार्य करने का वातावरण तैयार हुआ है।

क्षेत्रीय/उप कार्यालयों में हिन्दी पखवाड़ा के अलावा राजभाषा नीति के प्रगामी कार्यान्वयन संबंधी अन्य गतिविधियां भी समय–समय पर निष्पादित की जा रही हैं।

हिन्दी पखवाड़ा–2020 का समापन समारोह

प्राधिकरण की माननीया अध्यक्ष महोदया के निदेशानुसार मुख्यालय तथा क्षेत्रीय/उप कार्यालयों में मनाए गए हिन्दी पखवाड़ा–2020 का दिनांक 28.09.2020 को ऑनलाइन समापन सचिव महोदय की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर प्राधिकरण के क्षेत्रीय/उप कार्यालयों के प्रमुख अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सचिव महोदय के संज्ञान में लाया गया कि प्राधिकरण में सितंबर माह, 2020 में हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया, जिसमें अन्य कार्यक्रमों के साथ–साथ विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

समापन के अवसर पर प्राधिकरण के क्षेत्रीय/उप कार्यालयों के कार्मिकों द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के दौरान की गई गतिविधियों की जानकारी उनके द्वारा उपलब्ध कराई गई वीडियो क्लिपिंग के माध्यम से समेकित रूप में प्रस्तुत की गई।

प्राधिकरण के हिन्दी अधिकारी ने अवगत कराया कि प्राधिकरण के मुख्यालय तथा क्षेत्रीय/उप कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी को लक्ष्योन्मुखी बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। हिन्दी के प्रचार–प्रसार के दृष्टिगत हिन्दी पखवाड़े के दौरान प्राधिकरण के कार्यालयों में बैनर/पोस्टर एवं सूक्तियों की पट्टियां बनवाकर कार्यालय परिसरों में जगह–जगह पर लगाई गई थी। उन्होंने यह भी बताया कि हिन्दी को व्यवहारिक रूप प्रदान करने के लिए अन्य भारतीय भाषाओं के शब्दों, पदों, रूपों तथा शैलियों को इस प्रकार आत्मसात किया जाना चाहिए कि हिन्दी की आत्मीयता बनी रहे और वह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके। यह भी देखा गया है कि प्राधिकरण के गैर हिन्दी भाषी क्षेत्रों यथा–कोची, फरक्का, आदि में कार्यरत कार्मिकों द्वारा उपलब्ध कराई गई वीडियो

क्लिप में हिन्दी बोलने का उच्चारण एवं वाक् कौशल काफी हद तक आशा अनुरूप था। इसलिए अपेक्षा की गई कि इस प्रगति को बनाए रखा जाए।

हिन्दी अधिकारी ने विशेषरूप से यह भी अवगत कराया कि प्राधिकरण में राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन का कार्य एवं हिन्दी पखवाड़े का आयोजन माननीया अध्यक्ष महोदया के कुशल प्रशासन एवं सचिव महोदय के कुशल मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक निष्पादित किए जा रहे हैं।

समापन समारोह के अंत में, सचिव महोदय ने अपने अध्यक्षीय दिशाबोध में अवगत कराया कि प्राधिकरण में हिन्दी के कामकाज को लक्ष्योन्मुखी बनाने का दायित्व प्राधिकरण के हिन्दी अधिकारी को सौंपा गया है। मैं यह समझता हूं कि इन कार्यों का सफलतापूर्वक निष्पादन किया जा रहा है। साथ ही, यह भी अपेक्षा करता हूं कि इस प्रकार की गतिविधियां आगे भी आयोजित की जाती रहे।

अंत में, हिन्दी अधिकारी ने इस कार्यक्रम से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपना मूल्यवान समय एवं सहयोग प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया।

****